Skill Development Programme

For Answer Writing

Geography (Model Answer)

DATE : 08 Sep, 2018 **TIME : 03:30 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- **पश्चिमी घाट से आप क्या समझते हैं? इसके प्रमुख क्षेत्रों का वर्णन करें तथा यह भी बताएं कि पश्चिमी घाट पूर्वी घाट से किस प्रकार भिन्न है?** **(250 शब्द, 15 अंक)**

What do you understand by Western Ghat? Describe the major regions of it and also elucidate how it is different from Eastern Ghat. **(250 Words, 15 Marks)**

MODEL ANSWER

मुख्य बिन्दु-

- भूमिका में पश्चिमी घाट को बताएँ।
- अगले पैरा में पश्चिमी घाट के प्रमुख क्षेत्रों को सविस्तार से बताएँ।
- फिर अगले पैरा में पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट के मध्य तुलना कीजिए।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

उत्तर- पश्चिमी घाट का विस्तार प्राय: तापी नदी (गुजरात) से कन्याकुमारी तक है। यह एक ब्लाक पर्वत है तथा पश्चिमी तटों के पास भ्रंशनुमा एवं कतारनुमा घाट संरचना प्राप्त होती है। घाट का अर्थ है, सीढ़ीनुमा संरचना जैसे नदियों के घाट , अरब सागर में अवतलन एवं प्रायद्वीप में पूर्व की ओर झुकाव के कारण सीढ़ीनुमा संरचना बनी है।

पश्चिमी घाट को प्रमुख क्षेत्रों में बाँट सकते हैं-

- **उत्तरी सहयाद्री :** यह तापी नदी एवं 15^0 उत्तरी अक्षांश के मध्य है। यहाँ कालसुबई एवं महावलेश्वर जैसी चोटियाँ स्थित हैं। यहाँ 200 सेमी. वर्षा होती है एवं कृषि में, रोपण कृषि जैसे स्ट्राबेरी, आम प्रमुख हैं।
- **मध्य सहयाद्री :** यह 15^0 से 11^0 अक्षांशों के मध्य स्थिर है। इसमें कुद्रेमुख तथा बाबाबूदन पहाड़ियाँ स्थित हैं। इनमें लौह अयस्क मिलता है। यहाँ लेटेराइट मृदा पायी जाती है एवं सदाहरित वनस्पति मिलती है। यहाँ जोग गरसोप्पा जलप्रपात (शरावती नदी पर) भी स्थित है।
- **दक्षिणी सहयाद्री :** यह 11^0 अक्षांश से लेकर कन्याकुमारी तक विस्तृत हैं, जिसमें 4 श्रेणियाँ हैं। यहाँ कोडाइकनाल, नीलगिरी का उच्चतम शिखर है। नीलगिरी दक्षिण भारत में जैव-विविधता का सबसे बड़ा क्षेत्र है।
- **अन्नामलाई :** यहाँ उच्चतम शिखर अनाइमुडी है तथा वर्षा 300 सेमी. तक होती है। यहाँ चाय की खेती की जाती है तथा मुन्नार घाटी और पलनी आदि पहाड़ियाँ यहीं पर स्थित हैं।
- **कार्डेमम हिल :** यहाँ अगस्तमलाई जैसी पहाड़ियाँ पायी जाती है। यहाँ वर्षा 200 सेमी. तक होती है तथा लैटेराइट मृदा, सदाहरित वनस्पति मिलती हैं। पश्चिमी घाट में थाल घाट, भोर घाट, पाल घाट, शेनकोटा दर्रे मिलते हैं।

पश्चिमी घाट एवं पूर्वी घाट में अंतर-

	पश्चिमी घाट		पूर्वी घाट
1.	यहाँ संकीर्ण मैदान की चौड़ाई 15 से 100 किमी. है।	1.	यहाँ चौरस मैदान है, जिसकी चौड़ाई 100-300 किमी. तक है।
2.	यहाँ फ्रीक, ज्वारनदमुख अपरदन के चिह्न मिलते हैं।	2.	यहाँ पुलीकट तट पर लैगून के निक्षेपण के चिह्न मिलते हैं।
3.	यहाँ वर्षा 250-300 सेमी. तथा आर्द्र जलवायु पाई जाती है।	3.	यहाँ वर्षा 80-100 सेमी. तथा उपार्द्र जलवायु पायी जाती है।
4.	चक्रवात गुजरात एवं मालाबार को प्रभावित करता है।	4.	यहाँ चक्रवात सम्पूर्ण तट को प्रभावित करता है।

* * *

GS World Committed To Excellence